UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 प्रकाश नारायण तिवारी (विभागाध्यक्ष, बी0एड0)
वैदिक महाविद्यालय दिबियापुर औरैया (उ0प्र0)

मनुष्य को श्रेष्ठ एवं उन्नतिशील प्राणी के रूप में निर्मित करने के लिए शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षालयों की महती भूमिका होती है। विद्यार्थियों में उच्च आकांक्षा स्तर को पोषित करने में विद्यालयों का संस्थागत वातावरण काफी हद तक उत्तर दायी होता है। यदि संस्थगत वातावरण अनुकूल है तो विद्यार्थियों में अपेक्षित गुणों का विकास होगा और वे जीवन में उत्तरोत्तर सफलता की सीढ़ियों को चढ़ते जायेंगे परन्तु यदि संस्थागत वातावरण प्रतिकूल है तो विद्यार्थियों में अपेक्षित गुणों का विकास बाधित हो सकता है जिसका प्रभाव उनके जीवन के कतिपय क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

विद्यार्थियों में व्यक्तित्व निर्माण एवं उनकी आकांक्षायें उनके सहपाठियों अथवा उनके समूह व वर्ग की अनुक्रिया एवं मूल्यांकन पर निर्भर करती है। हमारे देश में विभिन्न प्रकार के संस्थागत वातावरण वाले विद्यालय विद्यमान हैं प्रशासन की दृष्टि से हम शासकीय, अर्थशासकीय अनुदानित तथा स्ववित्तपोषित संस्थाओं में वर्गीकृत कर सकते हैं। प्रत्येक प्रकार की संस्था का अपना अद्वितीय शैक्षिक वातावरण होता है। विभिन्न प्रकार का संस्थागत वातावरण होने के बावजूद इन शैक्षणिक संस्थाओं का एकमात्र उद्देश्य बालकों का सर्वांगीण विकास करना है। यदि लैंगिक आधार पर भारतीय विद्यालयों के वातावरण के परिदृश्य को देखें तो इन्हें हम सहशिक्षा विद्यालय तथा एकल विद्यालय के रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं। यहाँ विचारणीय तथ्य यह है कि किस प्रकार के संस्थागत वातावरण में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के साथ–साथ उच्च आकांक्षा स्तर का निर्माण हो पा रहा है। सह शिक्षा विद्यालयों में जहाँ बालक बालिकायें प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ शिक्षण सम्प्राप्ति करते हैं, वहीं इस प्रकार के विद्यालयों में कभी –कभी अवांछित अधिगम की सामाजिक घटनायें भी इन विद्यालयों के संस्थागत वातावरण पर प्रश्न चिह्न लगाती हैं। वही दूसरी तफर यदि हम एकल विद्यालयों की चर्चा करें तो जहाँ इन विद्यालयों में अवांछित सामाजिक घटनाओं के घटने की संभावना कम होती है तो प्रतिस्पर्धा की भावना सहशिक्षा की तुलना में कम देखने को मिलती हैं निश्चित रूप से दोनें प्रकार के विद्यालयों के संस्थागत वातावरण को उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर पर प्रभव पड़ना स्वाभाविक है। आकांक्षा ही वह शक्तिपुंज है जो व्यक्ति के छिपे गुणों को प्रकाशित करता है, आकांक्षा कोई जन्मजात शक्ति नहीं है बल्कि व्यक्ति इन्हें अपनी पूर्व सफलताओं के आधार पर निर्मित करता है। अतः विद्यालय वातावरण ही वह भूमि है जहाँ पर हम इन्हें बालकों में बो सकते हैं। उपरोक्त तथ्यों तथा संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के मध्य सम्बन्ध एवं वातावरण का आकांक्षा स्तर पर प्रधान का अध्ययन करने के लिए शोधकर्ता ने इस विषय का चयन किया।

अध्ययन की आवश्यकता–

आकांक्षास्तर पर सर्वप्रथम अध्ययन हॉपी (1930) तथा डेम्पो (1931) ने किया इनके अनुसार आकांक्षा स्तर का तात्पर्य व्यक्ति द्वारा लक्ष्य प्रापत करने की कठिनता स्तर से है अतः शोधकर्ता ने अपनी शोध समस्या में

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन उनको प्राप्त संस्थागत वातावरण क परिप्रेक्ष्य में किया है।

यह तथ्य पूर्णतया सत्य है कि संस्थागत वातावरण पर्याप्त रूप से प्रत्येक बालक को प्रभावित करता, विचारकों ने इस सम्बन्ध में ठीक ही कहा है कि प्रत्येक जीवन अपने वातावरण की उपज है। इस स्थिति में विद्यार्थियों में आकांक्षा स्तर बहुतायत में विद्यालय परिवेश (संस्थगत वातावरण) पर निर्भर करता है। यही कारण है कि शोधकर्ता ने अपने शोध में एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर प्रस्तों से निष्कर्ष निकालने हेतु मध्यमान मानक विचलन तथा टी मान की गणना की गई है।

समस्या कथन– प्रस्तुत प्रस्तावना एवं शोध महत्व के आलोक में शोधकर्त्ता द्वारा ली गयी समस्या निम्न प्रकार से है।

एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन ।

अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की संक्रियात्मक परिभाषा–

(i) एकल विद्यालय– एकल विद्यालय ऐसे विद्यालय ऐसे विद्यालय होते है जिनमें प्रवेश लैंगिक आधार पर छात्रों एवं छात्राओं को ही दिया जाता है।

(ii) सहशिक्षा विद्यालय– सहशिक्षा विद्यालय ऐसे विद्यालय होते है जिनमें छात्र एवं छात्राएं दोनो अध्ययन करते है।

(iii) संस्थागत वातावरण– किसी विद्यालय के संस्थागत वातावरण से अभिप्राय एक ऐसे वातावरण से होता है जहॉ शिक्षण अधिगम प्रक्रिया स्वतः एवं स्वाभाविक होती है। संस्थागत वातावरण के अन्तर्गत –भौतिक सामग्री, अन्तवैयाक्तिक विश्वास , विद्यालय प्रावधान, शैक्षिक प्रावधान आदि विभाओ को सम्मिलित किया गया है।

(iv) आकांक्षा स्तर– आकांक्षा स्तर व्यक्ति द्वारा किसी कार्य में , भविष्य के स्तर की उसी कार्य में पिछले स्तर के ज्ञान पर प्राप्ति की स्पष्ट धोषणा है।

अध्ययन के उद्देश्य –

1. एकल तथा सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का अध्ययन करना ।
2. एक तथा सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण की तुलना करना।
3. एकल तथा सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन करना ।

अध्ययन की परिकल्पनाऍ –

उपरोक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध कार्य से सम्बन्धित परिकल्पनाऍ निम्नलिखित है।

1. एकल विद्यालयों का संस्थागत वातावरण उच्च स्तर का है।
2. सहशिक्षा विद्यालयों का संस्थागत वातावरण उच्च स्तर का है।
3. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण में सार्थक अन्तर होता है।
4. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों का उच्च संस्थागत वातावरण विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सार्थक रूप से सम्बन्धित है।
5. एकल एंव सहशिक्षा विद्यालयों का निम्न संस्थागत वातावरण विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सार्थक रूप से सम्बन्धित है।

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

शोध विधि – प्रस्तुत अध्ययन में विवरणात्मक सर्वेक्षण शोध विधि का अनुसरण किया गया है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श – प्रस्तुत अध्ययन में अध्ययन कर्त्ता ने जनसंख्या के रूप में कानपुर नगर के कक्षा – 11 के विद्यार्थियों को लिया है जिनसे नगर में स्थित कुल विद्यालयों में से यादृच्छिक रूप से किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है।

एक विद्यालय (बालक)	विद्यालयों की संख्या	विद्यार्थियों की संख्या
	05	125
एक विद्यालय (बालिका)	05	125
सह शिक्षा विद्यालय	10	250

प्रदन्तो के संकलन हेतु डॉ0 एम0 एल0 शाह एवं डॉ0 अमिता शाह द्वारा निर्मित एकेडामिक क्लाइमेर डिस्क्रिप्सन क्वेश्चनायर $(ACDQ)$ तथा एम0ए0 शाह एवं डॉ0 महेश भार्गव द्वारा निर्मित आकांक्षा स्तर मापनी का प्रयोग किया गया है। प्रदत्तों से निष्कर्ष निकालने हेतु मध्यमान , मानक विचलन तथा टी– मान की गठना की गई है।

विश्लेषण व्याख्या एवं परिणाम–

1. एकल विद्यालयों (बालक) के संस्थागत वातावरण का अध्ययन–

तालिका–01

क्र0सं0	**संस्थागत वातावरण**	**विद्यार्थियों की संख्या**	**प्रतिशत**
1	उच्च संस्थागत वातावरण	38	30.6
2	औसत संस्थागत वातावरण	44	35.2
3	निम्न संस्थागत वातावरण	43	34.4

तालिका 1 से स्पष्ट है एकल विद्यालयों बाल का संस्थगत वातावरण 30.6 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार उच्च स्तर का है 35.2 प्रतिशत बालकों के अनुसार औसत स्तर का है, जबकि 34.4 प्रतिशत बालकों के अनुसार निम्न सतर का है।

एकल विद्यालयों (बालिका) का संस्थागत वातावरण का अध्ययन–

तालिका–02

क्र0सं0	**संस्थागत वातावरण**	**विद्यार्थियों की संख्या**	**प्रतिशत**
1	उच्च संस्थागत वातावरण	22	18.4
2	औसत संस्थागत वातावरण	41	32.8
3	निम्न संस्थागत वातावरण	61	48.8

तालिका 2 से स्पष्ट है एकल विद्यालयों बालिका का संस्थगत वातावरण केवल 18.4 प्रतिशत बालिकाओं के अनुसार उच्च स्तर का है, 32.8 प्रतिशत बालिकाओं के अनुसार औसत स्तर का है तथा 48.8 प्रतिशत बालिकाओं क अनुसार निम्न स्तर का है।

2. सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का अध्ययन–

तालिका–03

सहशिक्षा विद्यालयों का संस्थागत वातावरण

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

क्र0सं0	संस्थागत वातावरण	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	उच्च संस्थागत वातावरण	44	17.6
2	औसत संस्थागत वातावरण	47	18.8
3	निम्न संस्थागत वातावरण	159	63.6

तालिका 3 से स्पष्ट है सहशिक्षा विद्यालयों का संस्थगत वातावरण केवल 17.6 प्रतिशत विद्यार्थियो क अनुसार उच्च स्तर का है 18.8 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार औसत स्तर का है जबकि 63.6 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार निम्न स्तर का है।

3. एकल विद्यालयों एवं सह शिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन

तालिका–04 ए एवं बी

एकल विद्यालयों (बालक) एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण की तुलना

	मध्यमान	विद्यार्थियों की संख्या		प्रतिशत
एकल विद्यालय (बालक)	120.24	125	12.85	8.48
सहशिक्षा विद्यालय	126.88	250	17.02	सार्थक

तालिका 1 से स्पष्ट है

तालिका–05

एकल विद्यालयों (बालिका) एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण की तुलना

	मध्यमान	विद्यार्थियों की संख्या		प्रतिशत
एकल विद्यालय (बालिका)	115.9	125	13.75	5.65
सहशिक्षा विद्यालय	126.88	250	17.02	सार्थक

तालिका 4 ए एवं बी से स्पष्ट है एकल विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण में सार्थक अंतर है तथा सहशिक्षा विद्यालयों का मध्यमान अधिक होने से स्पष्ट है कि उनका संसथागत वातावरण एकल विद्यालयों से बेहतर है।

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन करने के लिए उच्च संस्थागत स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन तथा सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों के मध्यमान

UGC Approved Journal

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed

ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

एवं मानक विचलन ज्ञात कर दोनों समूहों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच सार्थकता की जॉच t मान द्वारा की गयी ।

तालिका

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध

क0	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	T	0.01 स्तर पर सार्थकता
1	उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	3.87	1.45	64	0.36	असार्थक
2	उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	3.77	1.63	62	0.36	असार्थक

उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान 3.77 मानक विचलन 1.63 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 62 है। जबकि उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान 3.87 एवं मानक विचलन 1.45 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 64 है दोनों समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 0.36 सारणी मान 2.58 से कम है। अर्थात उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के मध्य अन्तर असार्थक पाया गया। अर्थात एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के संस्थागत वातावरण का उनकी आकांक्षा स्तर के साथ सम्बन्ध असार्थक पाया गया ।

- ❖ एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के सम्बन्ध का अध्ययन

एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन करने के लिए उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन तथा सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच सार्थकता की जॉच t मान द्वारा की गयी।

तालिका

एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के उच्च संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध

UGC Approved Journal

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed

ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

कम0	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	T	0.01 स्तर पर सार्थकता
1	उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	5.12	1.69	38	38	सार्थक
2	उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	3.77	1.63	62	62	सार्थक

उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्ताकों का मध्यमान 5.12 मानक विचलन 1.69 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 38 है। जबकि उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के पाप्ताकों का मध्यमान 3.77 एवं मानक विचलन 1.63 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 62 है दोनों समूहों के प्राप्ताकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 3.92 सारणी मान 2.58 से अधिक है। अर्थात उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के मध्य अन्तर सार्थक पाया गया। अर्थात एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के उच्च संस्थागत वातावरण का उनकी आकांक्षा स्तर के साथ सम्बन्ध सार्थक पाया गया।

- ❖ एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन

एकल विद्यालयों के अन्तर्गत बालक एवं बालिका विद्यालय आते है। अतः अध्ययन की सुगमता की दृष्टि से एकल विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन निम्न उपशीर्षकों के अन्तर्गत किया गया है।

- ❖ एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन ।

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन करने के लिए निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्ताकों का मध्यमान एवं मानक विचलन तथा सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्ताकों के मध्यमान एवं मानक विचलन ज्ञात कर दोनो समूहों के आकांक्षा स्तर के प्राप्ताकों के मध्यमानों के बीच सार्थकता की जॉच t मान द्वारा की गयी।

तालिका

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध

क्र	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	T	0.01 स्तर पर सार्थकता
1	उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	0.82	1.29	61	0.60	असार्थक
2	उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	0.93	1.05	188	0.60	असार्थक

निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान 0.82 मानक विचलन 1.29 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 61 है। जबकि निम्न संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान 0.93 एवं मानक विचलन 1.05 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 188 है दोनो समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 0.60 सारणी मान 2.58 से कम है अर्थात निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों की आकांक्षा स्तर के मध्य अन्तर असार्थक पाया गया , अर्थात एकल बालक विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनकी आकांक्षा स्तर के साथ सम्बन्ध असार्थक पाया गया ।

- ❖ एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन ।

एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध का अध्ययन करने के लिए निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन तथा सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों के मध्यमान एवं मानक विचलन ज्ञात कर दोनों समूहों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच सार्थकता की जॉच t मान द्वारा की गयी।

तालिका

एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर से सम्बन्ध ।

कम	चर	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S)	संख्या (N)	T	0.01 स्तर पर सार्थकता
1	उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल					

UGC Approved Journal
© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

	बालक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	0.85	1.59	87	0.43	असार्थक
2	उच्च संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर	0.93	1.05	188	0.43	असार्थक

निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान 0.85 मानक विचलन 1.59 और समूह में विद्यार्थियों की संख्या 87 है। जबकि निम्न संस्थागत वातावरण वाले सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के प्राप्तांकों का मध्यमान 0.93 एवं मानक विचलन 1.05 है तथा समूह में विद्यार्थियों की संख्या 188 है दोनो समूहों के प्राप्तांकों के मध्यमानों के बीच t गणना करने पर परिगणित t मान 0.43 सारणी मान 2.58 से कम है अर्थात निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर के मध्य अन्तर असार्थक पाया गया, अर्थात एकल बालिका विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के निम्न संस्थागत वातावरण का उनकी आकांक्षा स्तर के साथ सम्बन्ध असार्थक पाया गया ।

निष्कर्ष–

1. एकल विद्यालयों (बालक) का संस्थागत वातावरण 30.6 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार उच्च स्तर का है। 35.2 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार निम्न स्तर का है।
2. एकल विद्यालयों (बालिका) का संस्थागत वातावरण 18.40 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार उच्च स्तर का है। तथा 32.80 प्रतिशत बालिकाओं के अनुसार औसत स्तर का है तथा 48. 8 प्रतिशत बालिकाओं क अनुसार निम्न स्तर का है।
3. सहशिक्षा विद्यालयों का संस्थागत वातावरण 17.6 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार उच्च स्तर का है। 18.80 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार औसत स्तर का है जबकि 63.60 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार निम्न स्तर का है।
4. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण में सार्थक अन्तर है।
5. उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल (बालक) विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के मध्य सार्थक अंतर नहीं है।
6. उच्च संस्थागत वातावरण वाले एकल (बालिक) विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के मध्य सार्थक अंतर है।
7. निम्न संस्थागत वातावरण वाले एकल (बालक तथा बालिका) विद्यालयों एवं सहशिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर के मध्य सार्थक अंतर नहीं है।

UGC Approved Journal

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed

ISSN : 2454 – 308X | Volume : 03 , Issue : 11 | October – December 2017

सुझाव–

1. एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के संस्थागत वातावरण में पर्याप्त सुधार की आवश्यकता है, जिसके लिए आवश्यक होगा कि विद्यालयों के भौतिक संसाधनों, विद्यालय प्रावधान एवं शैक्षिक प्रावधानों में सुधार किया जाये, तथा विद्यार्थियों के मध्य अर्न्तवैयक्तिक विश्वास तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य अर्न्तवैयक्तिक विश्वास को बढ़ाया जाये।
2. आकांक्षा स्तर में जो अन्तर दृष्टिगत है वह वैयक्तिक विभेद के कारण है फिर भी विद्यालयी वातावरण में सुधार करके विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर में वृद्धि की जा सकती है और उनके भविष्य के लक्ष्यों को बढ़ाया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

1. Bordens, Kenneth S. Abbott, Bruce B (2006) “Research Design and Methods ”, Tata McGraw Hill publishing pvt.Ltd.
2. Kaul , Lokesh (2009) “Methodology of Eductional Research ” Vikash Publishing House Pvt.Ltd.
3. Lal, Raman Bihari & Joshi Suresh Chandra (2011) ” Educational Measurement Evaluation and Stati ,Bics”R.Lall Book Depot ,Meerut .
4. W.Best,John & V. Kahn , James (2009) “ Research in Education ,, PHI Pvt. Ltd. Delhi.
5. कपिल , एच0 के0 (2010) अनुसंधान विधियाँ व्यवहारपरक विज्ञानों में , एच0पी0 भार्गव बुक हाउस , आगरा।
6. कौल, लोकेश (1998) , मेथडलौजी आफ एजूकेशन रिसर्च,विकास पब्लिकेशन हाउस प्रा0 लि0।
7. गुप्ता, एस0पी0 गुप्ता डॉ0अलका (2010) , सांख्यिकी विधियाँ , शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद,
8. सारस्वत मालती (2003) , शिक्षा मनोविज्ञान की रूपरेखा लखनऊ आलोक प्रकाशन
9. शर्मा आर0ए0 (2010) , शिक्षा मनोविज्ञान में परा एवं अपरा सांख्यिकी , आर0लाल0बुक डिपो, मेरठ ।
10. त्रिपाठी जयगोपाल(2009) मनोविज्ञान एवं शिक्षा में शोध पद्वतियाँ,एच0पी0भार्गव बुक हाउस ,आगरा।
11. भटनागर आर0पी0एवं भटनागर मिनाक्षी (2010) , शिक्षा मनोविज्ञान , लायल बुक डिपो मेरठ ।
12. बुच, एम0बी0 सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन एन0सी0ई0आर0टी0 नई दिल्ली ।